चतुर्थ
एमिटी राष्ट्रीय
हिंदी मूट कोर्ट प्रतियोगिता
२०२०

मूट समस्या

वाद समस्या

वाद बिंदु की कहानी बहादुरगढ़ के मशूदपुर नामक एक छोटे से स्थान पर केंद्रित है। जो की एक अर्द्धशहरीय क्षेत्र है। रामपाल (35 वर्षीय, मध्यमवर्गीय) निवेश बैंकर है, जिसने हेमंत कुमार (45 वर्षीय, उच्च-स्तरीय व्यापारी, उच्च राजनीतिक संबंध रखने वाले) से 20,00,000/- रूपए की नकद धनराशि प्राप्त की थी। साथ ही उस धनराशि को हेमंत कुमार के कहने पर निवेश बाजार में लगाया था।

दो वर्षों पश्चात् जब हेमंत कुमार ने अपनी धनराशि वापस माँगी तो रामपाल ने उसे बताया कि आपका धन डूब गया है, जिसे मैं आपको वापस लौटाने में असमर्थ हूँ। परंतु इस दौरान रामपाल ने अपना घर पक्का करवा लिया था। यह देखकर हेमंत कुमार आक्रोश में आकर 20।06।2015 को रामपाल के घर उसे धमकी देकर आता है कि यदि रामपाल ने उसका धन नहीं लौटाया तो वह उसका पारिवारिक जीवन नष्ट कर देगा।

24।06।2015 को रामपाल की दोनों पुत्रियाँ रिंकी (15 वर्षीया), प्रिया (17 वर्षीया) सायं-काल 8ः00 बजे ट्यूशन से लौटकर घर को जा रही थीं। तभी रास्ते से गुज़र रहे रामपाल के पड़ोसी सुरेंद्र जी (80 वर्षीय) ने देखा कि एक पीली गाड़ी आई और उन दोनों लड़कियों को कुछ लड़के ज़बरदस्ती गाड़ी में बैठाकर फरार हो गए, गाड़ी का नंबर पढ़ने में असमर्थ, सुरेंद्र जी तुरंत ही रामपाल के घर गए जहाँ रामपाल उन्हें नहीं मिले।

परेशान सुरेंद्र जी पुलिस थाने गए और वहाँ रामपाल को दूरभाष कराया। जब रामपाल थाने पहुँचा तब उसे इस घटनाक्रम की सूचना मिली। पुलिस की पूछ ताछ पर रामपाल ने बताया कि पीली गाड़ी तो उसके ग्राहक हेमंत कुमार की है। जो उसे चंद दिनों पहले धमका कर गया था।

कई दिनों से मूसलाधार बारिश हो रही थी जिस कारण पुलिस की तहकीकात मंदी पड़ गई थी तभी 05।07।2015 को प्रातःकाल 5ः00 बजे पुलिस को सूचना मिली की कल्लू (30 वर्षीय) नामक पंचायत घर के सफाई कर्मचारी को दो लड़कियाँ मूर्च्छित अवस्था में मिली हैं। इस सूचना की जाँच करने पुलिस वहाँ पहुँची तब उन्हें ज्ञात हुआ कि ये दो रामपाल की गुमशुदा पुत्रियाँ

हैं। अस्पताल ले जाने पर यह ज्ञात हुआ कि प्रिया की मृत्यू हो चुकी है तथा रिंकी की हालत थोड़ी गंभीर है।

कुछ घंटों पश्चात् जब रिंकी को होश आया तब उसने बताया कि 24|06|2015 को जब हम ट्यूशन से घर जा रहे थे, तब घर से थोड़ा पहले एक पीली गाड़ी में कुछ लड़के आए, जिन्होंने अपना मुँह ढक रखा था। उन्होंने हमें ज़बरदस्ती अपनी गाड़ी में बैठाया और बेहोश कर दिया। उसके पश्चात् जब मुझे थोड़ा-सा होश आया, तब मेरे हाथ-पैर बंधे हुए थे, मेरी आँखों पर पट्टी थी और मेरे पूरे शरीर मे असहनीय पीड़ा हो रही थी। थोड़ी दूर से मुझे मेरी बहन की चीखने की आवाज़ें आ रही थीं। मुझे कुछ समझ नहीं आ रहा था। फिर थोड़े समय पश्चात् जब मुझे दोबारा होश आया, तब मैने कुछ लोगों को किसी की मृत्यू के बारे में बात करते सुना। तभी मेरे सिर पर एक तीव्र प्रहार हुआ और उसके बाद का मुझे कुछ याद नहीं।

लड़कियों की मेडिकल रिपोर्ट आने के पश्चात् पुलिस को यह ज्ञात हुआ कि दोनों लड़कियों के साथ दुश्कर्म किया गया है। प्रिया के शरीर पर संघर्ष के निशान हैं परंतु रिंकी के साथ ऐसा कुछ भी नहीं हैं। दोनों लड़कियों के हाथों तथा पैरों को किसी मज़बूत चीज़ से बांधा गया था और दोनों लड़कियों के रक्त में रोहिपनौल (Rohypnol) नामक ड्रग काफी मात्रा में था। पानी में ज़्यादा देर तक रहने के कारण शरीर में वीर्य की प्राप्ति नहीं हुई साथ ही प्रिया की मृत्यू का कारण रक्त की हानि बताया गया।

हेमंत कुमार से बात-चीत करने पर उसने यह बताया कि दिनांक 24|06|2015 से लेकर 04|07|2015 तारीक तक वह देश से बाहर था। (उसके पास यात्रा का सबूत था।) उसकी हवाई यात्रा का समय 11 बजे का था परंतु वह 10 बजे ही हवाई अड्डे पहुँच गया था। (CCTV footage or mobile track available) (हेमंत कुमार के घर और हवाई अड्डे के बीच की दूरी डेढ़ घंटे की है।)

पुलिस ने जब हेमंत कुमार की पीली गाड़ी की जाँच करी तो उन्हें यह ज्ञात हुआ कि गाड़ी की पिछली गद्दी हाल ही में सिली गई थी।

इस जाँच पड़ताल के पश्चात् जब हेमंत कुमार से पुलिस ने बात-चीत की तब उसने अपने बयान में बताया कि रामपाल मुझे मेरी धनराशि नहीं लौटा पाया

था। इस कारण आक्रोश में आकर मैंने उसे उसका परिवार नष्ट करने की धमकी तो दे दी थी परंतु मेरा ऐसा कोई इरादा नहीं था। मेरी इसी धमकी का फायदा उठाकर रामपाल मुझे फँसाना चाहता है। रामपाल ने स्वंय मुझे यह बताया था कि उसकी बड़ी बेटी प्रिया के साथ उसके संबंध अच्छे नहीं हैं। वह एक अपरिवर्तनवादी सोच रखने वाला व्यक्ति है तथा उसे शंका थी कि उसकी बेटी प्रिया का किसी लड़के के साथ प्रेम संबंध है। इसी कारणवश उसने अपनी दोनों पुत्रियों का नाम एक अच्छे अंग्रेज़ी विद्यालय से कटवाकर अपने ही घर के समीप स्थित एक सरकारी बालिका विद्यालय में लिखवा दिया था। किंतु उसे फिर भी आशंका थी कि प्रिया अभी भी उस लड़के से संबंध रखती है। जिस कारण से वह अपनी बेटियों को मारता-पीटता भी था। समाज में उसका सम्मान नष्ट न हो, इसके लिए वह किसी भी हद तक गिर सकता था।

सुरेंद्र जी सहित पाशा और कुबेर ने बताया कि रामपाल एक शक्की मिज़ाज वाला व्यक्ति है। इन्हीं कारणों से वह अपनी दोनों पुत्रियों पर अत्यधिक पाबंदियाँ भी लगाया करता है।

सारे सबूतों तथा बयानों को मद्देनज़र रखते हुए पुलिस ने हेमंत कुमार को गिरफतार कर लिया।

उक्त घटनाक्रम के पश्चात ये प्रबल सवाल उठते है कि :

प्रश्न १- क्या सुरेन्द्र जी जो ८० साल के हैं उनका गवाह होना वाजिब है?

प्रश्न २- क्या गाड़ी की गद्दी फटी मिलना परिस्थितिजन्य साक्ष्य गिरफ्तारी के लिए पर्याप्त है ?

प्रश्न ३- हेमंत कुमार के अनुसार हत्या रामपाल ने करवाई है । हां और ना दोनों ही परिस्थितियों में जैसा आप सोचते हैं तर्क देकर सिद्ध करें ?

ध्यान दें- समृतिका के निर्माण में उक्त सवालों से शोध का पैमाना प्रशंसनीय है । प्रतिभागियों को कोई भी अन्य मुद्दा उचित लगे वो उस पर भी तर्क कर सकते हैं ।

**यह मूट समस्या अनन्या खरे द्वारा रचित है तथा अरव्या आराया द्वारा लिखी गई है ।